भारतीय जनता पार्टी

11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सांसद और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा जारी वक्तव्य

नई दिल्ली, 21 फरवरी 2013

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण निराशाजनक, दिशाहीन और प्रेरणा से परे है। इसमें देश के सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र तक नहीं है–चाहे वह बड़े पैमाने पर हो रहा भ्रष्टाचार हो, लगातार बढ़ रही कीमतें, कृषि संकट, किसानों द्वारा आत्महत्या अथवा बढ़ती बेरोजगारी का मुद्दा क्यों न हो। सरकार इनमें से किसी भी मुद्दे से निपटने के लिए किसी तरह का रोडमैप नहीं दे सकी है।

हांलाकि राष्ट्रपति के अभिभाषण में गंभीर आर्थिक संकट की चर्चा की गई है, इसमें 5.5 प्रतिशत को छू रहे वित्तीय घाटे की गंभीर स्थिति को दूर करने और जीडीपी के घटकर 5 प्रतिशत पर आने की स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित कदमों की जानकारी नहीं दी गई है। लगता है सरकार अनभिज्ञ है इसीलिए राष्ट्रपति का अभिभाषण पूरी तरह प्रेरणा से परे है।

संसद के केन्द्रीय कक्ष में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान जो कुछ हुआ वह काफी दुखद है और सत्तारुढ़ दल को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। सत्तारुढ़ दल के गठबंधन सहयोगी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, नारे लगा रहे थे और राष्ट्रपति के अभिभाषण के खिलाफ विरोध प्रकट कर रहे थे। यह अभूतपूर्व है और विपक्ष के आरोप की पुष्टि करता है कि यूपीए में सब कुछ ठीक नहीं है और कांग्रेस पार्टी यह नहीं जानती कि गठबंधन सरकार और देश को कैसे चलाया जाता है।